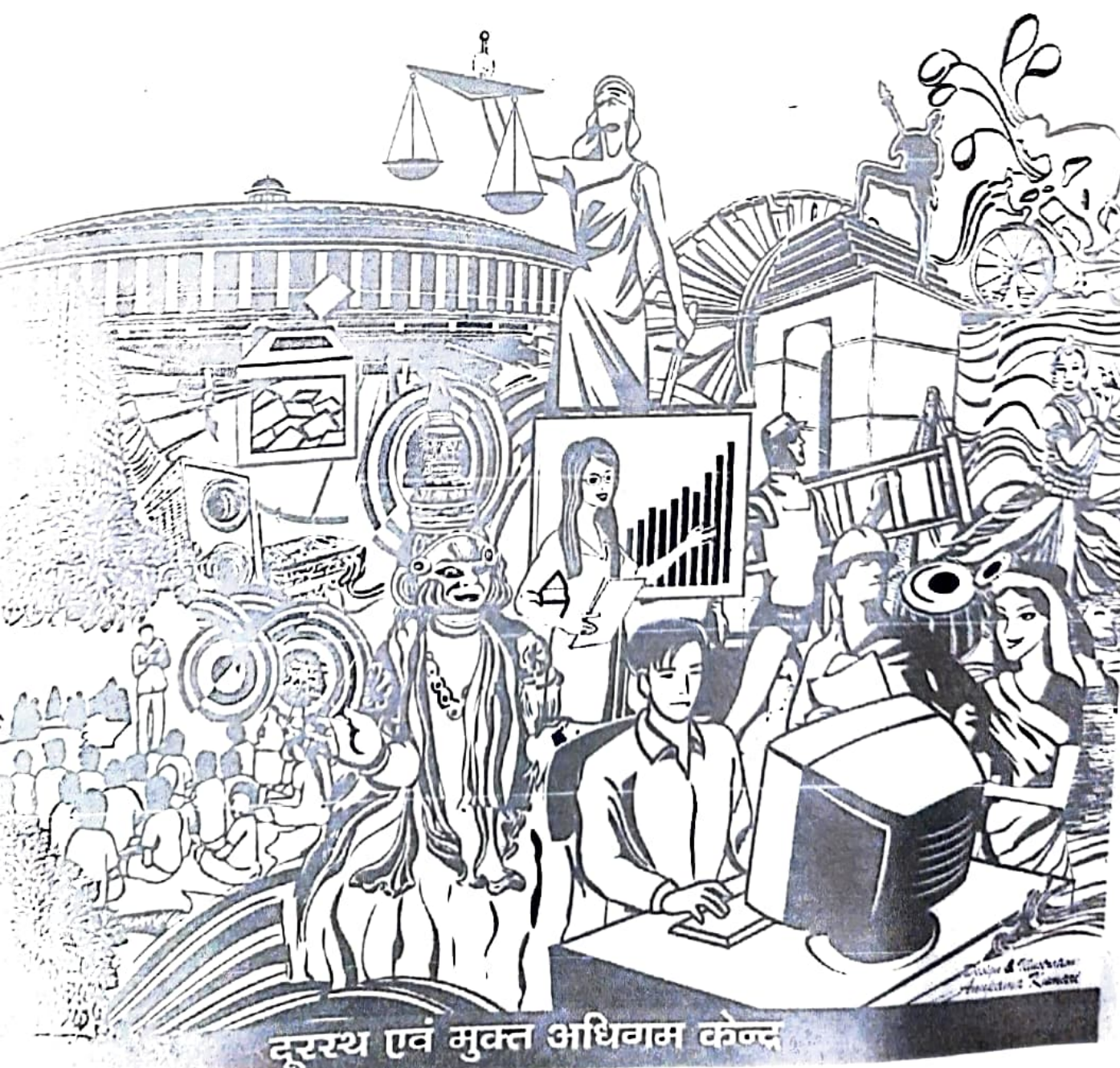




BHIS-04

Education at your Doorstep

आधुनिक भारत का इतिहास (1707 से 1950 तक)



दूरस्थ एवं मुक्त अधिव्यापक केन्द्र

EXPERT COMMITTEE

Prof. Thalat Ahmad

*Patron
Vice-Chancellor,
Jamia Millia Islamia*

Prof. Mohammad Aliyan

*Hony. Chief Advisor, CDOL,
Founder Director, CDOL*

Prof. Iqtedar Mohd. Khan

*Department of Islamic Studies,
Jamia Millia Islamia*

Dr. Vinod Sethi

University of Delhi

Dr. Kaneez Fatima

*Department of Public Administration,
MANNU, Hyderabad*

Dr. Sreepati Ramrudu

*Director, Centre for Social Exclusion & Inclusive
Policy, University of Hyderabad*

Dr. Bidhan Chandra Dash

*School of Liberal Studies,
Dr. B.R. Ambedkar University, Delhi*

PROGRAMME COORDINATOR

Shah Alam Khan, Academic Co-ordinator, CDOL, Jamia Millia Islamia

COURSE WRITERS

Dr. Brajesh Kumar Shrivastava, Assistant Professor, Department of History, Dr. Hari Singh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (MP)

Units: (1.1, 1.3-1.4, 1.6, 2.2, 4-6, 7.1-7.4, 9, 11, 12.1-12.3, 12.5-12.11, 13, 16-17)

© Dr. Brajesh Kumar Shrivastava, 2017

Sudheer Nath Jha, Freelance Writer

Units: (1.2, 1.5, 1.7-1.11, 3.1, 3.4-3.8, 7.6-7.12, 8.1-8.2, 8.4-8.8, 14) © Reserved, 2017

Dr. Nirja Sharma, Guest Lecturer, University of Delhi, Delhi

Unit: (3.2-3.3) © Dr. Nirja Sharma, 2017

Dr. Anjali Thapliyal Kaul, Reader & Head, Department of History, Ginni Devi Modi Girls (PG) College, Modinagar, Ghaziabad

Units: (7.5, 8.3, 10, 12.4, 15) © Dr. Anjali Thapliyal Kaul, 2017

Dr. Aruna Sharma, Reader & Head, Department of History, Ginni Devi Modi Girls (PG) College, Modinagar, Ghaziabad

Units: (7.5, 8.3, 10, 12.4, 15) © Dr. Aruna Sharma, 2017

Rajeev Garg, Freelance Author

Unit: (2.1, 2.3-2.8) © Reserved, 2017

Prof. M. Mustafa Khan
Officer on Special Duty, CDOL

Mr. Prashant Negi
Hony. Jt. Director, CDOL

Dr. Arvind Kumar
Hony. Jt. Director, CDOL

Dr. Faruk Nanz
*Department of Political Science,
Jamia Millia Islamia*

Dr. Salma Iqbal
*Shahred Bhagat Singh College,
University of Delhi*

Dr. Naseeb Ahmad
*Vice-Principal,
Jamia Sr. Secondary School, Jamia Millia Islamia*

इकाई 7 भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक सुधार

उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप—

- 19वीं सदी में भारत में हुए सामाजिक-सांस्कृतिक जागरण का परियोग पाएंगे;
- राजा राममोहन राय और ब्रह्म समाज की उपलब्धियों को जान पाएंगे;
- स्वामी दयानंद सरस्वती और आर्य समाज के सिद्धांतों का वर्णन कर पाएंगे;
- अलीगढ़ और देवबंद आंदोलन के कारणों एवं परिणाम से परिचित हो पाएंगे;
- ज्योतिबा फुले द्वारा किए गए निम्न जाति के उद्धार हेतु सामाजिक सुधारों का समझ पाएंगे;
- ई.वी. रामास्वामी 'पेरियार' के स्वाभिमान आंदोलन एवं राजनीतिक गतिविधियों की समीक्षा कर पाएंगे।

इकाई की रूपरेखा

- 7.1 परिचय
- 7.2 19वीं सदी में भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक जागरण
- 7.3 राजा राममोहन राय एवं ब्रह्म समाज
- 7.4 स्वामी दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज
- 7.5 अलीगढ़ और देवबंद आंदोलन
- 7.6 ज्योतिबा फुले
- 7.7 ई.वी. रामास्वामी नायकर/पेरियार आंदोलन
- 7.8 सारांश
- 7.9 मुख्य शब्दावली
- 7.10 'अपनी प्रगति जांचिए' के उत्तर
- 7.11 अभ्यास हेतु प्रश्न
- 7.12 आप ये भी पढ़ सकते हैं

7.1 परिचय

19वीं शताब्दी का आरंभ भारतीय पुनर्जागरण काल कहलाता है। इस शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण घटना भारतीय सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलनों का व्यापक स्तर पर प्रसार था। भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत राजा राममोहन राय को माना जाता है। राजा राममोहन राय एक प्रगतिशील विचारक थे। उन्होंने ब्रह्म समाज नामक आंदोलन का